B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-XI

(Vedic Literature)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20

नीচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

(a) 'तं त्वा गीर्भिर्गिर्वणसं द्रविणस्युं द्रविणोदः'— मन्त्रांशमिदं कस्मिन् सूक्ते वर्तते? अत्र 'द्रविणोदः शब्दस्य कोऽर्थः?
'তং ত্বা গীর্ভির্গির্বণসং দ্রবিণস্যুং দ্রবিনোদঃ'— মন্ত্রাংশটি কোন সূক্তান্তর্গত? এখানে 'দ্রবিনোদঃ' শব্দের অর্থ কী?

(b) पाठ्यांशस्थं किं सूक्तं 'सजनीय-सूक्तमिति' कथ्यते? सूक्तस्यास्य कः मन्त्रद्रष्टा?
পাঠ্যাংশস্থ কোন সূক্তকে 'সজনীয় সূক্ত' বলা হয়? উক্ত সূক্তের মন্ত্রদ্রষ্টা কে?

(c) 'स बोधि सूरिर्मघवा _____ _____' — शून्यस्थानं पूरयत।
'স বোধি সূরির্মঘবা _____ _____' — শূন্যস্থান পূরণ করো।

(d) 'शग्नीव' इति पदं कं देवमुद्दिश्य कथ्यते? पाठ्यांशानुसारेण तस्य देवस्य अपरमेकं विशेषणं लिखत।
'শগ্নীব' শব্দটি কোন দেবতার উদ্দেশ্যে প্রয়োগ করা হয়েছে? পাঠ্যাংশ অবলম্বনে উক্ত দেবতার অন্য একটি বিশেষণ উল্লেখ করো।

(e) 'स्त्रियं दृष्ट्वाय कितवं ततापं' — कः परितापं करोति? किं वा परितापस्य कारणम्?
'স্ত্রিয়ং দৃষ্ট্বায় কিতবং ততাপ'— কে পরিতাপ করে? তার পরিতাপের কারণ কী?

(f) 'राजा चिदेभ्यो नम इत् कृणोति' — अत्र कः राजा? 'एभ्यः' इति पदेन किं लक्ष्यते?
'রাজা চিদেভ্যো নম ইৎ কৃণোতি' — এখানে রাজা কে? 'এভ্যঃ' বলতে কাদের বোঝানো হয়েছে?

(g) 'न कर्म लिप्यते नरे' — मन्त्रांशस्य किं तात्पर्यम्?
'ন কর্ম লিপ্যতে নরে' — মন্ত্রাংশটির তাৎপর্য্য কী?

(h) देवी-सूक्ते 'अहम्' इति पदेन का लक्ष्यते? किमत्र तस्याः परिचयः?
দেবী সূক্তে 'অহং' শব্দের দ্বারা কাকে উপস্থাপিত করা হয়েছে? এখানে তাঁর পরিচয় কী?

(i) ईशोपनिषद् कथं 'वाजसनेयसंहितोपनिषद्' इति कथ्यते?
ঈশোপনিষৎ-কে বাজসনেয়সংহিতোপনিষৎ বলা হয় কেন?

(j) 'पर्यागाच्छुक्रम्' इति कस्य विशेषणम्? 'शुक्रम्' पदस्य कोऽर्थः?

'পর্যাগাচ্ছুক্রম্' কার বিশেষণরূপে প্রযুক্ত করা হয়েছে? 'শুক্রম্' পদটির অর্থ কী?

(k) प्रातरनुवाकम् नाम् किम्?

প্রাতরনুবাক্ কী?

(l) अवग्रहस्य संकेतं प्रदेयम् — 'उदाजत्', 'अपधा'।

অবগ্রহের চিহ্ন দাও — 'উদাজৎ', 'অপধা'।

(m) विनियोगः इति पदेन किं बुध्यते? विनियोगः कतिविधः? काश्च ते?

বিনিয়োগ বলতে কী বোঝো? বিনিয়োগ কয় প্রকার এবং কী কী?

(n) वैदिक लेट्-लकारस्य उदाहरणद्वयं लिखत।

বৈদিক লেট্ লকারের দুটি উদাহরণ লেখো।

(o) उदात्तस्य किं लक्षणम्?

উদাত্তের লক্ষণ কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र *द्वयोः* उत्तरं सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির যেকোনো *চারটির* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দাও।

(a) द्यावा चिदस्मै पृथिवी नमेते

शुष्माच्चिदस्य पर्वता भयन्ते।

यः सोमपा निचितो वज्रबाहु-

र्यो वज्रहस्तः स जनास इन्द्रः।।

— इति मन्त्रस्य कोष्टकेषु वैदिक शब्दं प्रदाय बङ्गभाषया अनुवादः करणीयः।

— বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।

(b) अहं रुद्राय धनुरातनोमि

ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उ।

अहं जनाय समदं कृणो-

म्यहं द्यावापृथिवी आविवेश।।

— इति मन्त्रस्य कोष्टकेषु वैदिक शब्दं प्रदाय बङ्गभाषया अनुवादः करणीयः।

— বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।

(c) उपरिलिखितयोः (a) तथा (b)-स्थितयोः मन्त्रयोः कस्यचिदेकस्य सस्वरं पदपाठः प्रदर्श्यताम्।

উপরে (a) এবং (b) প্রশ্নে লেখা মন্ত্রদুটির যেকোনো একটিকে স্বরচিহ্নের পরিবর্তনসহ পদপাঠে লেখ।

(d) द्वेष्टि श्वश्रूरपं जाया रूंणद्धि
न नाथितो विन्दते मर्डितारम्।
अश्वस्येव जरतो वस्न्यस्य
नाहं विन्दामि कितवस्य भोगम्।।

— उपरिस्थस्य मन्त्रस्य ऋषिच्छन्दोदेवतानिर्देशपूर्वकं सायणभाष्योक्तदिशा सुरगिरा व्याख्या कार्य्या।
— উপরের মন্ত্রটির ঋষি, ছন্দ ও দেবতা নির্দেশপূর্বক সংস্কৃত ভাষায় সায়ণানুসারী ব্যাখ্যা কর।

(e) तेन त्यक्तेन भूञ्जीथाः — मन्त्रांशमिदं व्याख्यायत।
তেন ত্যক্তেন ভূঞ্জীথাঃ — মন্ত্রাংশটি ব্যাখ্যা কর।

(f) तव पाठ्ये इन्द्रसूक्ते (ऋक् 2/12) इन्द्रकृते प्रयुक्तानि विशेषणानि लिखत।
তোমার পাঠ্য ইন্দ্রসূক্তে (ঋক্ 2/12) ইন্দ্রকৃতে প্রযুক্ত বিশেষণগুলি লেখো।

3. अधस्तनेषु प्रश्नेषु *द्वितयम्* आश्रित्य नातिदीर्घो निबन्धो लिखत। 10×2=20
নীচের প্রশ্নসমূহের মধ্যে যেকোনো *দুটির* নাতিদীর্ঘ প্রবন্ধ রচনা কর।

(a) ईशोपनिषदि मुक्तौ सम्भूतेः असम्भूतेश्च गुरुत्वम् आलोचयत।
মুক্তি প্রসঙ্গে ঈশোপনিষদে সম্ভূতি তথা অসম্ভূতির গুরুত্ব আলোচনা কর।

(b) वैदिक व्याकरणे अ-कारान्तशब्दरूपस्य वैशिष्ट्यमालोचयत।
বৈদিক ব্যাকরণে অ-কারান্ত শব্দরূপের বৈশিষ্ট্য আলোচনা কর।

(c) वैदिकदेवतारूपेण अग्नेः वैशिष्ट्यं स्वपाठ्यांशमवलम्ब्य उल्लेख्यं कुरु।
বৈদিক দেবতারূপে অগ্নির বৈশিষ্ট্য স্বপাঠ্যাংশ অবলম্বনে উল্লেখ কর।

(d) भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम् — इति मन्त्रांशमाधारीकृत्य सूक्तस्यास्य दार्शनिकं महत्त्वं प्रतिपादयत।
ভূরিস্থাত্রাং ভূর্যাবেশয়ন্তীম্ — এই মন্ত্রাংশের আধারে সূক্তটির দার্শনিক মহত্ত্ব প্রতিপাদন কর।